Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 19-03-2023**

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन, वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर दिया गया जोर

एशिया पैसिफिक स्कूल और इंडियन स्कूल के सहयोग से हुआ आयोजन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में \'एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)' पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन और इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था। सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वीएसआर विजय कुमार समापन भाषण दिया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने की। उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया और वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया। उन्होंने यह तर्क दिया कि कैसे नई शिक्षा नीति में मनोवैज्ञानिक पहलुओं के महत्व को शामिल किया गया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सी आर दरोलिया ने अपने सम्बोधन में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। एपीएसपीए और इनएसपीए के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उद्घाटन भाषण प्रो. टी. मंगलेश्वरन, कुलपति, वावुनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा दिया गया था। मलेशिया के प्रो.

टी. मारीमुथु ने विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद स्कूल मनोविज्ञान की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी एक विशेष भाषण दिया और आयोजकों को बधाई दी। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. पायल चंदेल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस आयोजन के अंतर्गत महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से नारनौल में बच्चों की सभा व शिक्षकों की कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 600 बच्चों और स्कूल के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। डॉ. जय कृष्ण अभीर (आईएएस) द्वारा सभा का उद्घाटन किया गया। अयोजन में प्रो. एन.के. सक्सेना ने बच्चों से बातचीत की और कुछ जीवन कौशल बताए। वैशाली सिंह, एडीसी और सुश्री परबीना पी, एएसपी, महेंद्रगढ़ ने छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Human India **Date: 19-03-2023**

हकेवि में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन (अपस्पा) और इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन (इंस्पा) के सहयोग से किया गया था। सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वीएसआर विजय कुमार समापन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समग्र कल्याण के लिए मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया और वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया। उन्होंने यह तर्क दिया कि कैसे नई शिक्षा नीति में मनोवैज्ञानिक पहलुओं के महत्व को शामिल किया गया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सी आर दरोलिया ने अपने सम्बोधन में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। एपीएसपीए और इनएसपीए के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उद्घाटन भाषण प्रो. टी. मंगलेश्वरन, कुलपति, वावुनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा दिया गया था। मलेशिया के प्रो. टी. मारीमुथु ने विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद स्कूल मनोविज्ञान की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी एक विशेष भाषण दिया और आयोजकों को बधाई दी। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. पायल चंदेल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आयोजन के अंतर्गत महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से नारनौल में बच्चों की सभा व शिक्षकों की कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। जिसमें में लगभग 600 बच्चों और स्कूल के शिक्षकों ने भाग लिया।

स्कूल शिक्षकों और बच्चों के सामने आने वाली कठिनाइयों को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए डॉ. जय कृष्ण अभीर (आईएएस) द्वारा सभा का उद्घाटन किया गया। अयोजन में प्रो. एन.के. सक्सेना ने बच्चों से बातचीत की और कुछ जीवन कौशल बताए। वैशाली सिंह, एडीसी और सुश्री परबीना पी, एएसपी, महेंद्रगढ़ ने छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया। डॉ.रीना राजपूत ने आवश्यक जीवन कौशल के बारे में विस्तार से बात की। डॉ. सूरज मल ने बाजार आर्थिक संचालित युग में छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व के गुणों और उच्च प्रदर्शन वाले भागफल के विकास पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. ज्योति यादव, प्राचार्य, रेवाड़ी कॉलेज ने जिला प्रशासन, महेंद्रगढ़ द्वारा मनोविज्ञान विभाग, हकेवि, महेंद्रगढ़ के सहयोग से हुए शोध की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में 847 स्कूली बच्चों का शैक्षणिक तनाव और उनके स्वास्थ्य स्तर पर डेटा लिया गया था।

इसी क्रम में पूर्ण सत्र में प्रो. मोहम्मद कमल उद्दीन, बांग्लादेश, प्रो. बारबा हनफर्सटिंगल, ऑस्ट्रिया, प्रो. मिचिको इशिकावा, नागोया विश्वविद्यालय, जापान, एरिक बी मिलर, यू.के. शर्मा, एमडीयू, रोहतक, किरेन देवेंद्र, पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी और अन्य स्कूल मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर। प्रतिनिधियों की शोध पत्र प्रस्तुति के लिए कुल नौ तकनीकी सत्र आयोजित किए जाते हैं। समापन सत्र में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. विश्वानंद यादव ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और आयोजन के अंत मे विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रवि प्रताप पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 19-03-2023**

हकेंवि में 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

'वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर दिया जोर'

महेंद्रगढ़, 18 मार्च (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 'एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.)' पर केंद्रित 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया।

सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन और इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था।

सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वी.एस.आर. विजय कुमार समापन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बंगलादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

2 दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समग्र कल्याण के लिए मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया और वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया।

उन्होंने यह तर्क दिया कि कैसे नई शिक्षा नीति में मनोवैज्ञानिक पहलुओं के महत्व को शामिल किया गया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. सी.आर. दरोलिया ने अपने सम्बोधन में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। ए.पी.एस.पी.ए. और एन.एस.पी.ए. के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया।

उद्घाटन भाषण प्रो. टी. मंगलेश्वरन, कुलपति, वावुनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा दिया गया था। मलेशिया के प्रो. टी. मारीमुथु ने विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद स्कूल मनोविज्ञान की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

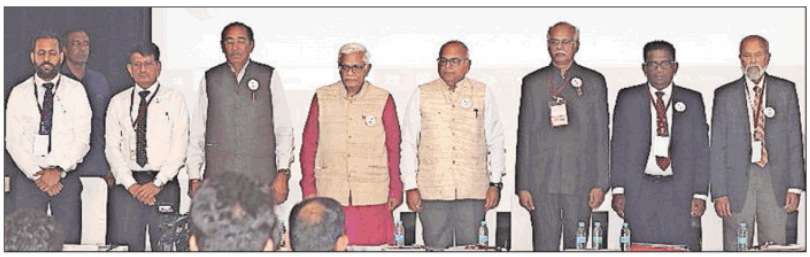

सम्मेलन के शुभारंभ के अवसर पर प्रो. गिरीश्वर मिश्र के साथ हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

कार्यशाला में 600 बच्चों और शिक्षकों ने लिया भाग

विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी एक विशेष भाषण दिया और आयोजकों को बधाई दी। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. पायल चंदेल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस आयोजन के अंतर्गत महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से नारनौल में बच्चों की सभा व शिक्षकों की कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें में लगभग 600 बच्चों और स्कूल के शिक्षकों ने भाग लिया।

स्कूल शिक्षकों और बच्चों के सामने आने वाली कठिनाइयों को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए डॉ. जय कृष्ण अभीर (आईएएस) द्वारा सभा का उद्घाटन किया गया।

आयोजन में प्रो. एन.के. सक्सेना ने बच्चों से बातचीत की और कुछ जीवन कौशल बताए। वैशाली सिंह, ए.डी.सी. और परबीना पी, ए.एस.पी., महेंद्रगढ़ ने छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया। डॉ. रीना राजपूत ने आवश्यक जीवन कौशल के बारे में विस्तार से बात की।

छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमता, नेतृत्व के गुणों पर ध्यान किया केंद्रित

डॉ. सूरज मल ने बाजार आर्थिक संचालित युग में छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमता, नेतृत्व के गुणों और उच्च प्रदर्शन वाले भागफल के विकास पर ध्यान केंद्रित किया।

डॉ. ज्योति यादव, प्राचार्य, रेवाड़ी कॉलेज ने जिला प्रशासन, महेंद्रगढ़ द्वारा मनोविज्ञान विभाग, हकेंवि, महेंद्रगढ़ के सहयोग से हुए शोध की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में 847 स्कूली बच्चों का शैक्षणिक तनाव और उनके स्वास्थ्य स्तर पर डाटा लिया गया था।

समापन सत्र में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. विश्वानंद यादव ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और आयोजन के अंत में विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रवि प्रताप पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 19-03-2023**

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

■ भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन और इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था। सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वीएसआर विजय कुमार समापन भाषण दिया।

उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समग्र कल्याण के लिए मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया और वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया। उन्होंने यह तर्क दिया कि कैसे नई शिक्षा नीति में मनोवैज्ञानिक पहलुओं के महत्व को शामिल किया गया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सीआर दरोलिया ने अपने संबोधन में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। एपीएसपीए और इनएसपीए के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उद्घाटन भाषण प्रो. टी. मंगलेश्वरन, कुलपति, वावुनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा दिया गया था।

इसी क्रम में पूर्ण सत्र में प्रो. मोहम्मद कमल उद्दीन, बांग्लादेश, प्रो. बारबा हनफस्टिंगल, ऑस्ट्रिया, प्रो. मिचिको इशिकावा, नागोया विश्वविद्यालय, जापान, एरिक बी मिलर, यूके शर्मा, एमडीयू, रोहतक, किरेन देवेंद्र, पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी और अन्य स्कूल मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर। प्रतिनिधियों की शोध पत्र प्रस्तुति के लिए कुल नौ तकनीकी सत्र आयोजित किए जाते हैं। समापन सत्र में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. विश्वानंद यादव ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और आयोजन के अंत मे विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रवि प्रताप पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

महेंद्रगढ़। आयोजन के शुभारंभ के अवसर पर प्रो .गिरिश्वर मिश्र। फोटो : हरिभूमि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two -day International Conference on "Sustainable Development Goals (SDG) with Special Reference to School Psychology in Asia Pacific Region"

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 19-03-2023**

वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलाजी एसो. का जोर

छात्रों व शिक्षकों की चुनौतियों से निपटने में मनोवैज्ञानिक निभा सकते हैं अहम रोल

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में "एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)" पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलाजी एसोसिएशन और इंडियन स्कूल साइकोलाजी एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था। सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वीएसआर विजय कुमार ने समापन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, इरान, मेक्सिको, जापान, आस्ट्रिया, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की

आयोजन के शुभारंभ के अवसर पर प्रो. गिरीश्वर मिश्र के साथ हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वेर कुमार ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समग्र कल्याण के लिए मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया और वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया। उन्होंने यह तर्क दिया कि कैसे नई शिक्षा नीति में मनोवैज्ञानिक पहलुओं के महत्व को शामिल किया गया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सीआर दरोलिया ने अपने सम्बोधन में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। एपीएसपीए और इनएसपीए के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उद्घाटन भाषण प्रो. टी. मंगलेश्वरन, कुलपति, वावुनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा दिया गया था। मलेशिया के प्रो. टी. मारीमुथु ने विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद स्कूल मनोविज्ञान की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी एक विशेष भाषण दिया और आयोजकों को बधाई दी। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. पायल चंदेल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आयोजन के अंतर्गत महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से नारनौल में बच्चों की सभा व शिक्षकों की कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इसमें लगभग 600 बच्चों और स्कूल के शिक्षकों ने भाग लिया। स्कूल शिक्षकों और बच्चों के सामने आने वाली कठिनाइयों को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए डा. जय कृष्ण आभीर (आइएएस) द्वारा सभा का उद्घाटन किया गया। आयोजन में प्रो. एनके सक्सेना ने बच्चों से बातचीत की और कुछ जीवन कौशल बताए। वैशाली सिंह, एडीसी और प्रबीना पी, एएसपी, महेंद्रगढ़ ने छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया। डा.रीना राजपूत ने आवश्यक जीवन कौशल के बारे में विस्तार से बात की। डा. सूरज मल ने बाजार आर्थिक संचालित युग में छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व के गुणों और उच्च प्रदर्शन वाले भागफल के विकास पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. ज्योति यादव, प्राचार्य, रेवाड़ी कालेज ने जिला प्रशासन, महेंद्रगढ़ द्वारा मनोविज्ञान विभाग, हकेवि, महेंद्रगढ़ के सहयोग से हुए शोध की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में 847 स्कूली बच्चों का शैक्षणिक तनाव और उनके स्वास्थ्य स्तर पर आकलन को शामिल किया गया था।

इसी क्रम में पूर्ण सत्र में प्रो. मोहम्मद कमल उद्दीन, बांग्लादेश, प्रो. बारबा हनफस्टिंगल, आस्ट्रिया, प्रो. मिचिको इशिकावा, नागोया विश्वविद्यालय, जापान, एरिक बी मिलर, यूके शर्मा, एमडीयू, रोहतक, किरेन देवेंद्र, पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी और अन्य स्कूल मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर। प्रतिनिधियों की शोध पत्र प्रस्तुति के लिए कुल नौ तकनीकी सत्र आयोजित किए जाते हैं। समापन सत्र में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. विश्वानंद यादव ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और आयोजन के अंत में विभाग में सहायक आचार्य डा. रवि प्रताप पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 13-03-2023**

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई गई

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 09 फरवरी, 2023 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 30 मार्च, 2023 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

बता दें कि इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज, बी.वॉक. इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग, बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बी. एससी. एम.एससी रसायनविज्ञान, इंटीग्रेटेड बी.एससी.एम.एससी गणित, इंटीग्रेटेड बी.एससी.एम.एससी भौतिकी, बी.एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान च चार वर्षीय बीए.बीएड सहित 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान कर रहा है। इन स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 30 मार्च, 2023 तक चलेगी। साथ ही अभ्यर्थी 1 अप्रैल से 03, 2023 अप्रैल तक आवेदन के विवरण में सुधार कर सकेंगे। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी www.nta.ac.in https://cuet.samarth.ac.in/ पर उपलब्ध है।